H.H.W
17/10/21

Worksheet

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।

क) मोहन पिता की नजर बचाकर साँई को क्या लेकर देता था ?

उ- मोहन पिता की नजर बचाकर साँई को रोटी-साग लेकर देता था।

ख) नारद के मन में उल्लास क्यों था ?

उ- नारद के मन में किसान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए उल्लास था।

ग) कवि के अनुसार कौन सा धर्म श्रेष्ठ है ?

उ- कवि के अनुसार मित्र-धर्म श्रेष्ठ है।

घ) मनोहर ताई को क्या मँगवाकर देने के लिए कहा ?

उ- मनोहर ताई को पतंग मँगवाकर देने के लिए कहा।

ङ.) हमें गिरने के बाद क्या करना चाहिए ?

उ- हमें गिरने के बाद आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) आज का काम आज ही क्यों करना चाहिए ?

उ- आज का काम आज ही करना चाहिए क्योंकि ये अवसर फिर मिले न मिले अर्थात समय कभी लौटकर नहीं आता।

ख) रोम रोम ऋणी होने का क्या अभिप्राय है?

उ- जब हम पर कोई ~~अहसान~~ एहसान करता है तो हमारा भी कर्तव्य बन जाता है कि हमें भी उसके लिए कुछ करना चाहिए। जब दुनिया के रास्ते बंद हो जाते हैं और हमारा अस्तीत्व खतरे में होता है उसी समय जो हमारी मदद करता है उसे कभी नहीं भूलना चाहिए। इसे ही कहते हैं रोम रोम ऋणी होना।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क) प्रियतम कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

उ- ~~पाठ का मूल~~ प्रियतम कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि विशेष रूप से बच्चों के लिए कहा गया है कि वह सदैव कर्मनिष्ठ बने और सत्कर्म करने से भगवान जी के दर्शन अपने आप होता है। जब हम कोई भी काम करते हैं उसे ईश्वर का ही काम समझकर पूरा करना चाहिए और ईश्वर को स्मरण करना चाहिए। इस तरह से हम ईश्वर के प्रिय भक्त बन सकते हैं जैसे इस कविता में विष्णु जी ने नारद जी के मन में जो शंका थी- कौन विष्णु जी का प्रिय भक्त है? — वह दूर किया। एक आसान परीक्षा करके विष्णु जी ने नारद जी को यह समझाया की हर समय अपने भगवान का नाम स्मरण करने से वह कभी भी प्रिय भक्त बन नहीं सकता। सबको अपना कर्म उल्लास मन से करना चाहिए और भगवान को याद करना चाहिए। तब ~~जैसे~~ जाके कोई भगवान का प्रिय भक्त बन सकता है।

प्र) "गुदड़ साँई ! तुमा लिखे गुदड़ नहीं ~~[illegible]~~ गुदड़ी के लाल हो।" भाव स्पष्ट करो।

उ- गुदड़ी का लाल होना एक मुहावरा है। इसका अर्थ होता है कि ऐसा व्यक्ति जिसकी बुद्धिमानी एवं योग्यता के लोग न समझते हो। साँई को गुदड़ी का लाल कहने का अर्थ यह है कि बाकी लोग इसे चिथड़ों वाला साँई ही जानते थे परंतु वह बालकों को भगवान स्वरूप मानते थे तथा उनके मनोविनोद के लिए ही गुदड़ रखते थे। इसे केवल साँई ही समझते थे। इसी कारण लेखक ने इसे गुदड़ी का लाल कहा। जब कोई बच्चा ~~[illegible]~~ चिथड़े को लेकर भागता है, साँई का मानना है वह भगवान ही है जो लेकर भागते हैं। फिर साँई लड़कर वह उस चिथड़े को अपने पास रख लेते है। इसी उम्मीद में की और कोई ~~[illegible]~~ छिनने के लिए आए। इस तरह से साँई का मन लगा रहता है। उन्हें लगता है- जैसे भगवान उनके आस पास ही है।

४. विलोम शब्द लिखिए-

उपस्थित - अनुपस्थित

क्रोध - क्षमा

आदर - अनादर , निरादर

गरीब - अमीर

डर - निडर

५. निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए-

क) मिलकर उठा और उठकर बैठा। - संयुक्त वाक्य

ख) कोई काम कठिन न मानो - सरल वाक्य

ग) हमें मिलजुलाकर पढना है - सरल वाक्य

घ) यह काम हम कर सकते हैं - सरल वाक्य